MP BOARD CLASS 10 SOCIAL SCIENCE MODEL PAPER 1 WITH ANSWER

:: खण्ड-अ ::

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(1) ..... के नेतृत्व में भारत की रियासतों का विलीनीकरण का कार्य सम्पन्न हुआ।

(2) भारत की स्वाधीनता के समय ..... भारत के वाइसराय थे।

(3) सर्वोच्च न्यायालय ..... न्यायालय भी है।

(4) संविधान में भारत को ..... कहा गया है।

(5) शिक्षा एवं स्वास्थ्य ..... अधोसंरचना के अंग है।

प्रश्न 2. सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(अ) झण्डा सत्याग्रह का प्रारम्भ मध्यप्रदेश के किस शहर से हुआ था-

(i) इन्दौर (ii) जबलपुर (iii) सागर (iv) भोपाल

(ब) कर्मवीर' नामक समाचार पत्र कहाँ से प्रकाशित होता था?

(i) हरदा, (ii) इन्दौर (iii) खण्डवा (iv) भोपाल

(स) संविधान में मौलिक अधिकारों की संख्या है-

(i) 4 (ii) 5 (iii) 6 (iv) 9

(द) विश्व स्तर पर पहला भू-शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था-

(i) जापान (याकोहामा) (ii) भारत (बैंगलुरु) (iii) ब्राजील (रियोडिजेनिरो) (iv) यू.एस.ए. (न्यूयार्क)

(इ) 1857 के संग्राम को 'सैनिक विद्रोह' की संज्ञा दी-

(i) ब्रिटिश इतिहासकारों ने (ii) दामोदर सावरकर ने (iii) डलहौजी ने (iv) बहादुर शाह ने

प्रश्न 3. सत्य/असत्य बताइएः

(अ) चरण पादुका गोलीकांड को मध्यप्रदेश का जलियाँवाला बाग के नाम से भी जाना जाता है। http://www.mpboardonline.com

(ब) उत्पादक कार्यों में पूँजी लगाने को विनियोग कहा जाता है।

(स) विकसित देशों में अधिकांश जनसंख्या प्राथमिक क्षेत्र से जुड़ी रहती है।

(द) शिक्षक, डॉक्टर, वकील की सेवाएँ उत्पादन में प्रत्यक्ष रूप से योगदान देती हैं।

(इ) भारत में रेलवे प्रणाली का प्रारम्भ 1837 में हुआ।

प्रश्न 4. सही जोड़ी बनाइये ।

(अ) कोणार्क	(1) मालदीव
(ब) पेरियार	(2) बांग्लादेश
(स) डिजिटल चार्ट्स	(3) छत्तीसगढ़
(द) मुक्ति वाहिनी सेना	(4) केरल
(इ) भिलाई इस्पात कारखाना	(5) सूर्य मन्दिर

प्रश्न 5. प्रत्येक का एक वाक्य/शब्द में उत्तर दीजिए:

(अ) अचानक उत्पन्न होने वाली प्राकृतिक आपदाएँ कौनकौनसी हैं? कोई दो लिखिए।

(ब) भारत में मौलिक अधिकारों का संरक्षक कौन है?

(स) नगरपालिका और नगर निगम के विभिन्न क्षेत्रों के निर्वाचित प्रतिनिधि को क्या कहते हैं?

(द) मानव विकास सूचकांक की गणना किसके आधार पर की जाती है? कोई एक लिखिए।

(इ) राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस कब मनाया जाता है?

खण्ड (ब)

प्रश्न 6. भारत में पाई जाने वाली मिट्टियों के नाम लिखिए।

अथवा

भौम-जल क्या है?

प्रश्न 7. सहायक संधि क्या थी? इसे किसने लागू किया था?

अथवा

बहिष्कार का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 8. वस्तु विनिमय की प्रणाली की मुख्य समस्या क्या थी?

अथवा

चिट-फण्ड़ पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 9. सेवा-क्षेत्र क्या है?

अथवा

ज्ञान आधारित समाज किसे कहते हैं?

प्रश्न 10. उपभोक्ता शोषण से क्या आशय है?

अथवा

कालाबाजारी किसे कहते हैं?

प्रश्न 11. जलोढ़ मिट्टी की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

काली मिट्टी की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 12. खरीफ व रबी की फसलों में अन्तर लिखिए।

अथवा

श्वेत क्रान्ति व पीत क्रान्ति में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 13. सन् 1857 की क्रान्ति के राजनीतिक कारण बताइए।

अथवा

भारत में बसने वाले यूरोपियों ने इल्बर्ट बिंल का विरोध क्यों किया?

प्रश्न 14. भारत में राष्ट्रीय जागृति के कारणों का उल्लेख कीजिए।

अथवा

"चन्द्रशेखर आजाद एक वीर स्वतंत्रता सेनानी थे।" विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 15. स्वामित्व के आधार पर उद्योगों के कितने प्रकार हैं?

अथवा

औद्योगिक प्रदूषण अथवा प्रदूषण के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 16. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करने वाले चार कारकों को समझाइये।

अथवा

भारत में निर्यात संवर्द्धन के लिए किए गए प्रयासों का वर्णन कीजिए। (कोई 4)

प्रश्न 17. बाढ़ आपदा के लिए उत्तरदायी कारणों का वर्णन करते हुए उसके नियन्त्रण के उपाय बताइए।

अथवा

भारत में भूकम्प प्रभावित क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 18. भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम 1947 के प्रमुख प्रावधानों का वर्णन कीजिए।

अथवा

भारत छोड़ो आन्दोलन की असफलता के क्या कारण थे? (कोई 4)

प्रश्न 19. ताशकन्द समझौता क्या है? इसकी शर्ते लिखिए?

अथवा

आपातकाल कितने प्रकार के होते हैं? उनका वर्णन कीजिए।

प्रश्न 20. भारत में नागरिकों के मौलिक अधिकारों का वर्णन कीजिए। (कोई 4)

अथवा

भारत में नागरिकों के मूल कर्तव्यों को लिखिए। (कोई 8)

प्रश्न 21. वैश्वीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने वाले चार कारकों की विवेचना कीजिए। 4

अथवा

मिश्रित अर्थव्यवस्था के किन्हीं चार दोषों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 22. भारत के सीमाकार मानचित्र में निम्न को दर्शाइए-

(1) भाखड़ा-नंगल बाँध, (2) कच्छ का रन, (3) कर्क रेखा,

(4) हजीरा-जगदीशपुर गैस पाइपलाइन, (5) आनन्द- अहमदाबाद दुग्ध पाइपलाइन।

अथवा

निम्नलिखित मौसम सम्बन्धी संकेतों को अपनी

उत्तर पुस्तिका में दर्शाइए- (1) शान्त (2) ललित वायु (3) धीर समीर (4) अल्पबल समीर (5) सबल समीर।

प्रश्न 23. झण्डा सत्याग्रह किस प्रकार हुआ? वर्णन कीजिए।

अथवा

मध्यप्रदेश का राष्ट्रीय आन्दोलन में क्या योगदान रहा है? वर्णन कीजिए।

प्रश्न 24. सन् 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के परिणाम लिखिए।

अथवा

भारत में परमाणु नीति के सिद्धान्तों को समझाइए।

प्रश्न 25. सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियों का वर्णन कीजिए।

अथवा

मंत्री परिषद के कार्यों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 26. भारत में बेरोजगारी दूर करने के उपायों का वर्णन कीजिए।

अथवा

मादक पदार्थों का शरीर पर क्या प्रभाव होता है? लिखिए।

ANSWER

:: खण्ड (अ) ::

उत्तर-1. 1. सरदार वल्लभ भाई, 2. लॉर्ड माउण्टबेटन,

3. अभिलेख, 4. राज्यों का संघ, 5. सामाजिक।

उत्तर-2. (अ)-(ii), (ब)-(iii), (स)-(iii), (द)-(iii), (इ)-(i)।

उत्तर-3. (अ) सत्य, (ब) सत्य, (स) असत्य, (द) सत्य, (इ) असत्य।

उत्तर-4. (अ) 5, (ब) 4, (स) 1, (द) 2, (इ) 3

उत्तर-5. (अ) भूकम्प, ज्वालामुखी, (ब) उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट),

(स) पार्षद, (द) आर्थिक विकास के आधार पर, (इ) 24 दिसम्बर को।

:: खण्ड (ब) ::

प्रश्न 6. भारत में पाई जाने वाली मिट्टियों के नाम लिखिए।

उत्तर- भारत में पाई जाने वाली मिट्टियाँ हैं- जलोढ़ मिट्टी, काली मिट्टी, लैटेराइट मिट्टी, मरुस्थलीय मिट्टी एवं पर्वतीय मिट्टी।

अथवा

भौम-जल क्या है?

उत्तर- वर्षा जल का कुछ भाग भूमि द्वारा सोख लिया जाता है। सोखा हुआ कुछ जल धरातल के नीचे अभेद्य चट्टानों तक पहुँचकर एकत्र हो जाता है। इसे भौम जल कहते हैं। इसे कुओं और ट्यूबवेलों के द्वारा धरातल पर लाया जाता है , जिसका उपयोग पीने, सिंचाई, उद्योग, धन्धे आदि के लिए किया जाता है। http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 7. सहायक संधि क्या थी? इसे किंसने लागू किया था?

उत्तर- सहायक संधि ब्रिटिश साम्राज्य के विस्तार का अप्रत्यक्ष तरीका था। यह व्यवस्था लॉर्ड वेलेजली ने लागू की थी।

अथवा

बहिष्कार का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- बहिष्कार का अर्थ विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के साथ-साथ सरकारी सेवाओं, प्रतिष्ठानों तथा उपाधियों का बहिष्कार करना था।

प्रश्न 8. वस्तु विनिमय की प्रणाली की मुख्य समस्या क्या थी?

उत्तर- वस्तु विनिमय की प्रणाली की मुख्य समस्या थी कि कोई ऐसा व्यक्ति मिले , जो एक व्यक्ति द्वारा उत्पादित वस्तु को स्वीकार करे एवं बदले में उसकी आवश्यकता की वस्तु को उपलब्ध कराए।

अथवा

चिट-फण्ड पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। इस पर 30 शब्द लिखिए।

उत्तर- चिट-फण्ड- चिट-फण्ड योजनाओं का दक्षिण भारत के राज्यों में लम्बा इतिहास रहा है। दक्षिण भारत के गाँवों में यह बहुत लोकप्रिय है। यहाँ यह संगठित और असंगठित दोनों रूपों में संचालित है। चिट-फंड भारत में पायी जाने वाली एक प्रकार की बचत योजना है। इसमें निर्धारित संख्या में सदस्य बनाये जाते हैं। ये सदस्य पूर्व निर्धारित समय अन्तराल के बाद एक निश्चित स्थान पर एकत्रित होकर , तयशुदा धनराशि एक स्थान पर एकत्रित करते हैं। फिर इस एकत्रित धनराशि की सदस्यों के बीच नीलामी की जाती। इस नीलामी में जो सदस्य सबसे ऊँची बोली लगाता है , उसे एकत्रित धनराशि सौंप दी जाती है। इस प्रकार की चिट-फण्ड योजनाएँ। किसी पंजीकृत वित्तीय संस्था या कुछ मित्र यो रिश्तेदार आपस में मिलकर भी चलाते हैं। उद्देश्य में भिन्नता के साथ अलग-अलग तरह की अनेक चिट-फंड योजनाएँ देश में चल रही हैं।

प्रश्न 9. सेवा-क्षेत्र क्या है?

उत्तर- तृतीयक क्षेत्र की गतिविधियों से वस्तुओं के स्थान पर सेवाओं का सृजन होता है , अतः इसे "सेवा-क्षेत्र' कहा जाता है।

अथवा

ज्ञान आधारित समाज किसे कहते हैं?

उत्तर- ज्ञान आधारित समाज- वह समाज जिसमें सभी क्रियाएँ उपलब्ध ज्ञान के आधार पर संचालित होती हैं। दूरसंचार तकनीक के विस्तार से ज्ञान आधारित समाज की। धारणा का विकास हुआ है।

प्रश्न 10. उपभोक्ता शोषण से क्या आशय है?

उत्तर- उपभोक्ता शोषण से अभिप्राय कम वज़न तौलना , अधिक कीमत वसूलना, मिलावटी एवं दोषपूर्ण वस्तुएँ बेचना, भ्रमित विज्ञापन देकर उपभोक्ता को गुमराह करना आदि है।

अथवा

कालाबाजारी किसे कहते हैं?

उत्तर- कालाबाजारी- जब उत्पादक एवं व्यापारी आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी कर लेते हैं तो इन वस्तुओं का मूल्य बाजार में बढ़ जाता है। यदि सरकार इन वस्तुओं की राशनिंग कर देती हैं तो यही वस्तुएँ काले बाजार में बिकने के लिए आ जाती हैं, इसे ही कालाबाजारी कहते हैं।

प्रश्न 11. जलोढ़ मिट्टी की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- जलोढ़ मिट्टी- इसे कॉप , दोमट, कछारी या चीका मिट्टी भी कहा जाता है। इसका निर्माण नदियों द्वारा पर्वतों से बहाकर लाए गए अवसादों के निक्षेपण से हुआ है। इसमें नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और वनस्पति अंशों की कमी है। किन्तु पोटाश और चूना पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। यह मिट्टी दो प्रकार की होती है- बांगर और खादर। भारत में जलोढ़ मृदा 40 प्रतिशत भू-भाग पर पाई जाती है। इसका विस्तार सम्पूर्ण उत्तरी-भारत के मैदान , डेल्टाई भाग तथा तटीय भागों में पाया जाता है।

उत्तर-भारत का मैदान जलोढ़ मृदा का मैदान कहलाता है। यह बहुत उपजाऊ मृदा है।

अथवा

काली मिट्टी की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- (1) काली मिट्टी का निर्माण लावा के प्रवाह से हुआ है। अतः इसमें मैग्मा के अंश लोहा व एल्यूमीनियम की प्रधानता पायी जाती है।

(2) इसमें अधिक समय तक नमी धारण करनी की क्षमता होती है।

प्रश्न 12. खरीफ व रबी की फसलों में अन्तर लिखिए।

उत्तर- खरीफ व रबी की फसल में अन्तर निम्न हैं-

खरीफ फसल	रबी फसल
1. यह. वर्षा ऋतु में बोई जाती है।	1. यह शरद ऋतु में बोई जाती है।
2. ये फसलें शरद ऋतु में काट ली जाती हैं।	2. ये फसलें बसंत ऋतु में काट ली जाती हैं।
3. ये फसलें वर्षा पर निर्भर होती हैं।	3. ये फसलें सिंचाई पर निर्भर होती हैं।
4. इन फसलों का प्रति हेक्टेयर उत्पादन कम होता है।	4. इन फसलों का प्रति हेक्टेयर उत्पादन अधिक होता है।

अथवा

श्वेत क्रान्ति व पीत क्रान्ति में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- श्वेत क्रान्ति व पीत क्रान्ति में अन्तर - http://www.mpboardonline.com

श्वेत क्रान्ति	पीत क्रान्ति
1. श्वेत क्रान्ति का पशु- पालन से निकट का सम्बन्ध है।	1. पीत क्रान्ति का सम्बन्ध खाद्य तेलों और तिलहन फसलों से है।
2. इसे ऑपरेशन फ्लड के नाम से जाना जाता है।	2. इसे पीली क्रान्ति के नाम से जाना जाता है।
3. श्वेत क्रान्ति का अर्थ है डेयरी विकास कार्यक्रमों के द्वारा दूध उत्पादन में वृद्धि।	3. खाद्य तेलों और तिलहन फसलों के उत्पादन के क्षेत्र में अनुसन्धान और विकास करने की रणनीति को पीत क्रान्ति कहते हैं।

प्रश्न 13. सन् 1857 की क्रान्ति के राजनीतिक कारण बताइए।

उत्तर- राजनीतिक कारण- लॉर्ड डलहौजी की नीतियों के परिणामस्वरूप अंग्रेजों का राजनैतिक प्रतिरोध प्रारम्भ हुआ। उसकी साम्राज्यवादी नीति तथा हड़पनीति ने भारतीय राजाओं और देशी राज्यों की प्रजा को ब्रिटिश विरोधी बना दिया था।

अथवा

भारत में बसने वाले यूरोपियों ने इल्बर्ट बिल का विरोध क्यों किया?

उत्तर- लॉर्ड रिपन ने जातीय भेदभाव दूर करने के लिए एक कानून बनाने का प्रयास किया। इसे इल्बर्ट नामक सदस्य ने तैयार किया था , अतः इसे इल्बर्ट बिल कहा जाता है। इसके द्वारा मजिस्ट्रेट और सेशन जज को फौजदारी मुकदमों में यूरोपीय लोगों की सुनवाई का अधिकार दिया जाना था। इल्बर्ट बिल प्रजातीय भेदभाव की नीति को उजागर करता था। भारतीय न्यायाधीशों को यूरोपीय अपराधियों का मुकदमा सुनने का अधिकार नहीं था। इस भेदभाव को दूर करने के लिए इल्बर्ट बिल का संगठित होकर विरोध किया। इसे काला कानून माना, अतः इल्बर्ट बिल वापस लेना पड़ा।

प्रश्न 14. भारत में राष्ट्रीय जागृति के कारणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- भारत में राष्ट्रीय जागृति में निम्नलिखित कारणों का महत्त्वपूर्ण योगदान था 1. राजनीतिक कारण- अंग्रेजी सरकार ने साम्राज्य की एकता और सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए सम्पूर्ण देश में एक जैसा प्रशासन स्थापित किया। अंग्रेजों द्वारा आरम्भ किए। गए एकीकृत शासन से भारतवासी एक सूत्र में बंधे तथा उनमें जागरूकतां आयी। 2. धार्मिक एवं सामाजिक पुनर्जागरण- उन्नीसवीं शताब्दी के आन्दोलन मूल रूप में सामाजिक और धार्मिक थे, परन्तु उनमें राष्ट्रीयता की भावनाओं का समावेश था। 3. पाश्चात्य शिक्षा, संस्कृति और विचारकों का प्रभाव- अंग्रेजी शिक्षा ने भारतीयों को विदेशी बन्धन से मुक्त होने की प्रेरणा दी। पाश्चात्य शिक्षा ने भारतीयों को राष्ट्रीयता , स्वतन्त्रता, समानता और लोकतंत्र जैसे आधुनिक विचारों से अवगत कराया।

अथवा

"चन्द्रशेखर आजाद एक वीर स्वतंत्रता सेनानी थे। विस्तार से समझाइए।

उत्तर- चन्द्रशेखर आजाद 14 वर्ष की अल्प आयु में असहयोग आन्दोलन से जुड़े। गिरफ्तार होने पर अदालत में उन्होंने अपना नाम आजाद , पिता का नाम स्वतंत्रता और घर का पता जेलखाना बताया। तभी से चन्द्रशेखर के नाम के साथ आजाद जुड़ गया। क्रान्तिकारी विचारधारा के कारण वे लम्बे समय तक गांधीजी के मार्ग पर नहीं चल सके , वे क्रान्तिकारी श्रीगुप्त के सम्पर्क में आए और बाद में पं. रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में उन्होंने युग की महान क्रान्तिकारी घटना "काकोरी काण्ड' में हिस्सा लिया। जब पुलिस ने आजाद का पीछा किया तो वे बचकर निकल गए।

उत्तर भारत की पुलिस आजाद के पीछे पड़ी थी। दल के साथी विश्वासघात कर चुके थे , जिससे वे चिन्तित और क्षुब्ध थे। इधर ब्रिटिश सरकार की दमनकारी नीति के कारण और अनेक क्रान्तिकारी नेताओं की मृत्यु से क्रान्तिकारी आन्दोलन को बहुत क्षति हुई।

उत्तर भारत में क्रान्ति की बागडोर चन्द्रशेखर आजाद, यशपाल और भगवती चरण के हाथों में आ गई। क्रान्तिकारियों ने अंग्रेजी हुकूमत से बदला लेने के लिए वायसराय लॉर्ड डरविन की ट्रेन को उड़ाने की योजना बनाई। बम का विस्फोट हुआ किन्तु वायसराय बच गया। चन्द्रशेखर आजाद ने इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में क्रान्ति की योजना बनाने के लिए 27 फरवरी 1931 में क्रान्तिकारियों की एक बैठक बुलाई किन्तु दुर्भाग्य से अंग्रेजी पुलिस ने उन्हें घेर लिया। आजाद ने अन्तिम क्षण तक अंग्रेजी सिपाहियों से लोहा लिया , किन्तु उन्हें जब लगा कि वे बच नहीं पायेंगे तो उन्होंने स्वयं को गोली मार ली और अंततः वे वीर गति को प्राप्त हुए।

प्रश्न 15. स्वामित्व के आधार पर उद्योगों के कितने प्रकार हैं?

उत्तर- स्वामित्व के आधार पर उद्योग निम्नलिखित चार प्रकार के होते हैं-

(i) निजी उद्योग- जो व्यक्तिगत स्वामित्व के होते हैं।

(ii) सरकारी उद्योग- जो सरकार के स्वामित्व के होते

(iii) सहकारी उद्योग- जो सहकारी स्वामित्व के होते

(iv) मिश्रित उद्योग- जो उपर्युक्त में से किन्हीं दो या अधिक के स्वामित्व होते हैं।

अथवा

औद्योगिक प्रदूषण अथवा प्रदूषण के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

उत्तर- वायु, जल और भूमि में किसी भौतिक, रासायनिक अथवा जैविक अनचाहे परिवर्तन से , जिससे प्राणी मात्र का स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण को प्रभावी तौर से हानि पहुँचती हो , तो उसे प्रदूषण कहते हैं। मनुष्य ने अपनी मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए औद्योगिक कारखानों की स्थापना की। औद्योगिक प्रगति ने अर्थव्यवस्था को विकसित व उन्नत बनाने में जहाँ अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण संबंधी ऐसी कठिनाइयों को जन्म दिया, जो आज विकराल रूप से हमारे समक्ष खड़ी है।

औद्योगीकरण से होने वाले प्रमुख प्रदूषण निम्नलिखित

(i) वायु प्रदूषण- कारखानों से निकलने वाली हानिकारक गैसें व धुआँ वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण हैं। विभिन्न उद्योगों से होने वाले प्रदूषण की मात्रा एवं प्रकृति , उद्योग के प्रकार , प्रयुक्त होने वाले कच्चे माल एवं निर्माण आदि पर निर्भर करती है। इस दृष्टि से कपड़ा उद्योग, रासायनिक उद्योग, धातु उद्योग, तेल शोधक एवं चीनी उद्योग अन्य उद्योगों की अपेक्षा अधिक प्रदूषण फैलाते हैं। इन उद्योगों से वायुमण्डल में , कार्बन डाइ ऑक्साइड, कार्बन

मोनोऑक्साइड, सल्फर डाई ऑक्साइड, धूल आदि हानिकारक व विषैले तत्व मिल जाते हैं , जो वायु को प्रदूषित करते हैं।

(ii) जल प्रदूषण- जले जीवन का आधार है। जल में अवांछित तत्वों का मिश्रण जल को प्रदूषित कर देता है। औद्योगिक उत्पादन हेतु कारखानों में जल का उपयोग किया जाता है। औद्योगिक प्रक्रिया के दौरान जल में अनेक हानिकारक पदार्थ , लवण, अम्ल, रसायन तथा गैसें घुलमिल जाती हैं। उद्योगों से निकला हुआ यह जल जलाशयों अथवा

नदियों में जाकर मिलता है। इस जल का उपयोग , सम्पर्क प्राणियों और वनस्पतियों के लिए घातक होता है। औद्योगिक अपशिष्टों के सागरों व महासागरों में डालने से समुद्री जल भी प्रदूषित हो जाता है।

(iii) भूमि प्रदूषण- भूमि एक सीमित संसाधन है। इसके दुरुपयोग के परिणाम भयंकर हो सकते हैं। औद्योगिक अपशिष्ट का भूतल पर फैलाव भूमि प्रदूषण का कारण बनता है। इस प्रकार के अपशिष्ट में अनेक ऐसे पदार्थ होते हैं , जो प्राकृतिक रूप में घटित नहीं होते तथा इनका प्रकृति में पुनः चक्रीकरण नहीं होता , जिससे भूमि की गुणवत्ता में कमी आती है , इसे भूमि प्रदूषण कहते हैं। औद्योगिक कचरे में रासायनिक दुर्गन्धयुक्त , ज्वलनशील विषैले पदार्थ पर्यावरण को क्षति पहुँचाते हैं। भूमि प्रदूषण को 'मृदा प्रदूषण' भी कहते हैं।

(iv) ध्वनि प्रदूषण- वातावरण में ऐसी कोई भी ध्वनि , जो कानों को प्रिय न लगे , मानसिक क्रियाओं में बाधा डाले अर्थात् 'शोर' ही ध्वनि प्रदूषण का मुख्य रूप है। उद्योगों में अनेक प्रकार की मशीनें प्रयोग की जाती हैं , जिनसे निरन्तर शोर होता रहता है। इसके अतिरिक्त कारखानों में जनरेटर भी चलाए जाते हैं , इन सभी से निरन्तर और अधिक शोर होता है। इससे इनमें कार्य करने वाले श्रमिक अनेक मानसिक रोगों तथा बहरेपन के शिकार हो जाते हैं।

प्रश्न 16. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करने वाले चार कारकों को समझाइये।

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करने वाले कारक-

(i) स्थिति- जो देश संसार के व्यापारिक मार्गों पर स्थित होते हैं , उनकी व्यापारिक उन्नति शीघ्र होती है।

(ii) कटा-फटा समुद्र तट- जिन देशों का समुद्र तट बहुत कटा-फटा होता है , वहाँ उन्नत बंदरगाह विकसित होते हैं, लोग साहसी और अच्छे नाविक होते हैं।

(iii) प्राकृतिक साधन- किसी देश का व्यापार वहाँ के प्राकृतिक साधनों की भिन्नता से प्रभावित होता है। प्राकृतिक साधनों में देश की जलवायु , वन, कृषि योग्य भूमि , कृषि उपजें, खनिज आदि सम्मिलित किये जाते हैं। इन्हीं साधनों पर उत्पादन निर्भर करता है।

(iv) आर्थिक विकास- सभी देशों के आर्थिक विकास की स्थिति एक समान नहीं होती। जो देश आर्थिक प्रगति में आगे है, उनका व्यापार अधिक उन्नत होता है।

अथवा

भारत में निर्यात संवर्द्धन के लिए किए गए प्रयासों का वर्णन कीजिए। (कोई 4)

उत्तर- भारत में निर्यात संवर्द्धन के लिए किए गए प्रयास निम्नलिखित हैं-

(i) विभिन्न संगठनों की स्थापना- भारत सरकार ने निर्यात के लिए बाजार खोजने, घरेलू माल का विदेशों में प्रचार करने तथा निर्यातकों को सुविधा देने के लिए विदेशी व्यापार संस्थान, आयात-निर्यात सलाहकार परिषद्, राजकीय व्यापार निगम, निर्यात संवर्द्धन परिषद, सूती वस्त्र निगम, जूट निगम, निर्यात-आयात बैंक की स्थापना की है।

(ii) व्यापार विकास संस्था- निर्यात संवर्द्धन के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं में समन्वय स्थापित कर आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध करने हेतु व्यापार विकास संस्था को स्थापित किया गया।

(iii) राजकीय व्यापार निगम की स्थापना- निर्यात के विविधीकरण, विद्यमान बाजार को विस्तार देने एवं निर्यात कर आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध करने हेतु व्यापार विकास संस्था को स्थापित किया गया।

(iv) निर्यातगृहों की स्थापना- मान्यता प्राप्त संस्थाओं को निर्यात संवर्द्धन के लिए विपणन विकास निधि से आर्थिक सहायता प्रदान कराने हेतु इसकी स्थापना की गई। भारत में सात निर्यात संसाधन क्षेत्र हैं- कांडला (गुजरात), सांताक्रूज (महाराष्ट्र), कोच्चि (केरल), चैन्नई (तमिलनाडु), नोएडा (उत्तरप्रदेश), फाल्टा (पश्चिमी बंगाल), विशाखापट्टनम् (आन्ध्रप्रदेश)। यहाँ कस्टम क्लियरेंस की सुविधाएँ हैं।

प्रश्न 17. बाढ़ आपदा के लिए उत्तरदायी कारणों का वर्णन करते हुए उसके नियन्त्रण के उपाय बताइए।

उत्तर- बाढ़ आपदा के लिए उत्तरदायी कारक हैं-

(i) तटबंध टूटने, बाँध टूटने और बराज से अधिक पानी छोड़े जाने के कारण बाढ़ आती है। अविवेकपूर्ण तरीके से तटबंधों का निर्माण होने, पुराने व जीर्ण हो रहे बाँधों के कारण बाढ़ आने का खतरा बढ़ जाता है।

(ii) हिमालय क्षेत्र में बहने वाली नदियों से मिट्टी और गाद पानी के साथ घुलकर एवं बहकर मैदानों एवं समुद्र तटीय क्षेत्रों में जमा हो जाती है, जिससे नदियों का तल उठ जाता है और उनकी जल धारा ही बाढ़ का रूप धारण कर लेती है।

(iii) पर्वतीय क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण, वन कटाई, अनियन्त्रित खनन से पहाड़ों की भूमि अस्थिर हो गई है, जिससे बाढ़ आने की संभावना बढ़ जाती है।

(iv) पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन द्वारा नदी का मार्ग अवरूद्ध होने से जलाशय बन जाते हैं और फिर उनके अचानक टूटने से प्रलयंकारी बाढ़े आती हैं।

अथवा

भारत में भूकम्प प्रभावित क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

उत्तर-भारत में भूकम्प प्रभावी क्षेत्र- भूकम्प के वितरण एवं प्रभाव के आधार पर भारत को पाँच क्षेत्रों में बाँटा जाता है-

1. अत्यधिक प्रभावित क्षेत्र

2. अधिक खतरा प्रभावित क्षेत्र

3. मध्यम प्रभावित क्षेत्र

4. निम्न खतरा प्रभावित क्षेत्र

5. सामान्य क्षेत्र।

देश में सबसे खतरा प्रभावित क्षेत्र हैं- हिमालय , जिसके अंतर्गत हिमाचल प्रदेश , उत्तराखंड, उत्तर बिहार तथा पूर्वोत्तर भारत शामिल है। इसके अतिरिक्त कच्छ एवं कोकण तट भी अधिक खतरा प्रभावित क्षेत्र हैं। मध्यभारत , राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उड़ीसा, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, झारखंड तथा छत्तीसगढ़ भूकम्प से कम प्रभावित क्षेत्र हैं। देश के अन्य भाग मध्यम खतरनाक क्षेत्र के अंतर्गत हैं।

प्रश्न 18. भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम 1947 के प्रमुख प्रावधानों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम में कुल 20 धाराएँ तथा दो परिशिष्ट थे। इसके प्रमुख प्रावधान निम्नलिखित-

1. भारत के दो अधिराज्यों- भारत और पाकिस्तान में बाँटना था , गवर्नर जनरल ने 15 अगस्त 1947 को भारत का दायित्व भारतीय नेताओं को सौंपा जाना तय किया।

2. अधिनियम के अनुसार प्रत्येक अधिराज्य में एक गवर्नर जनरल होगा , जिसकी नियुक्ति ब्रिटिश सम्राट करेंगे। http://www.mpboardonline.com

3. दोनों अधिराज्यों की सीमाएँ निर्धारित की गयीं। इसके अतिरिक्त जनमत संग्रह के आधार पर बंगाल, पंजाब तथा असम के विभाजन तथा उनकी सीमाओं के निर्धारण के सम्बन्ध में बातें तय की गयीं।

4. दोनों अधिराज्यों की संविधान सभाओं को अपना संविधान बनाने का अधिकार होगा। जब तक दोनों राज्य नया संविधान नहीं बना लेते हैं , तब तक 1935 के भारत शासन अधिनियम के द्वारा ही शासन होना था।

5. भारत सचिव का पद समाप्त करके उसके स्थान पर राष्ट्रमण्डल सचिव की नियुक्ति का प्रावधान रखा गया।

अथवा

भारत छोड़ो आन्दोलन की असफलता के क्या कारण| (कोई 4)

उत्तर- आन्दोलन की असफलता के कारण-

(1) संगठन तथा निश्चित योजना का अभावभारत छोड़ो आन्दोलन आरम्भ करने से पूर्व महात्मा गाँधी ने इसकी कोई स्पष्ट योजना नहीं बनायी थी कि इसे किस प्रकार संचालित किया जायेगा।

(2) ब्रिटिश शासन का शक्तिशाली होना- एक कारण ब्रिटिश शासन को आन्दोलनकारियों की अपेक्षा अत्यधिक शक्तिशाली होना था। आन्दोलनकारियों के पास धन तथा अस्त्र-शस्त्रों का अभाव था, अतः उन्हें बिना अस्त्र, शस्त्र के पुलिस तथा सेना का सामना करना पड़ता था।

(3) राष्ट्रीय नेताओं को बन्दी बनाया जाना- ब्रिटिश सरकार ने प्रमुख राष्ट्रीय नेताओं को अचानक गिरफ्तार कर लिया था, जिससे जनता समुचित मार्गदर्शन प्राप्त नहीं कर सकी तथा आन्दोलन को गहरा आघात लगा।

(4) मुस्लिम लीग की राजनीति- मुस्लिम लीग ने मुसलमानों को आन्दोलन से पृथक रहने का परामर्श दिया, जिससे मुसलमानों ने आन्दोलन में भाग नहीं लिया। इससे भी आन्दोलन पर गहरा आघात लगा।

प्रश्न 19. ताशकन्द समझौता क्या है? इसकी शर्ते लिखिए?

उत्तर- भारत-पाक युद्ध विराम के बावजूद युद्ध क्षेत्रों में झड़पें बंद नहीं हुई थीं। इस स्थिति को समाप्त करने के लिए सोवियत संघ ने विशेष रुचि ली। सोवियत संघ ने दोनों पक्षों को वार्ता के लिए ताशकन्द आमंत्रित किया। 4 जनवरी 1966 को पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खाँ तथा भारत के प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के मध्य ताशकन्द में वार्ता आरंभ हुई। अंततः 19 जनवरी 1966 को ऐतिहासिक ताशकन्द समझौते पर दोनों पक्षों ने हस्ताक्षर किए जिसे ताशकन्द समझौते के नाम से जाना जाता है।

ताशकन्द समझौते की शर्ते निम्नलिखित हैं-

1. दोनों पक्षों ने अच्छे पड़ोसियों जैसे संबंध निर्माण करने पर सहमति व्यक्त की।

2. दोनों पक्षों ने यह सहमति व्यक्त की कि वे 5 अगस्त 1965 के पूर्व जिस स्थिति में थे वहाँ अपनी सेनाओं को वापस बुला लेंगे। दोनों पक्ष युद्ध विराम रेखा पर युद्ध विराम की शर्तों का पालन करेंगे।

3. दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने , एक-दूसरे के विरुद्ध प्रचार को निरुत्साहित करने तथा पुनः राजनयिक संबंधों की स्थापना करने का निर्णय लिया। इसके अतिरिक्त आर्थिक , व्यापारिक, सांस्कृतिक संबंधों को मधुर बनाने पर भी सहमति व्यक्त की गयी।

अथवा

आपातकाल कितने प्रकार के होते हैं? उनका वर्णन कीजिए।

उत्तर-आपातकाल तीन प्रकार के होते हैं-

(अ) राष्ट्रीय आपातकाल- भारत के राष्ट्रपति यदि संतुष्ट हो जाये कि स्थिति बहुत विकट हैं तथा भारत अथवा उसके किसी भाग की सुरक्षा खतरे में है। युद्ध अथवा बाहरी आक्रमण या क्षेत्र के अंतर्गत सशस्त्र विद्रोह के कारण समस्या विकट हो सकती है। तब राष्ट्रपति ऐसी स्थिति उत्पन्न होने से पहले भी आपातकाल की घोषणा कर सकता है। वर्तमान में राष्ट्रपति ऐसी संकटकालीन घोषणा केवल मंत्रीमण्डल की लिखित अनुशंसा पर ही कर सकता है।

(ब) राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता से उत्पन्न आपातकाल-राष्ट्रपति किसी राज्य के राज्यपाल की रिपोर्ट पर या किसी अन्य प्रकार से संतुष्ट हो जाये कि वहाँ राज्य का शासन विधिपूर्वक चलाया नहीं जा सकता है। ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति आपातकाल की घोषणा कर संवैधानिक तंत्र की विफलता को रोकने का प्रयास करता है।

(स) वित्तीय संकट-यदि राष्ट्रपति संतुष्ट हो जाए कि भारत अथवा इसके किसी भाग की वित्तीय स्थिति या साख को खतरा है तो वह वित्तीय संकट की घोषणा कर सकता है।

प्रश्न 20. भारत में नागरिकों के मौलिक अधिकारों का वर्णन कीजिए। (कोई 4)

उत्तर- नागरिकों के सर्वांगीण विकास हेतु मौलिक अधिकार आवश्यक हैं , इसीलिए भारतीय संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकारों का प्रावधान है। इनका हनन होने पर नागरिक उच्च अथवा सर्वोच्च न्यायालय की शरण ले सकता है, किन्तु इन अधिकारों को संकटकाल में प्रतिबन्धित किया जा सकता है। सन् 1976 में संविधान के 42वें संशोधन में 10 मूल कर्तव्यों को जोड़ा गया है।

नागरिकों के मौलिक अधिकार निम्नलिखित हैं - भारतीय संविधान द्वारा नागरिकों को एक स्वतन्त्र तथा विकासशील जीवन प्रदान करने के लिए मौलिक अधिकार प्रदान किए गए हैं। संविधान द्वारा नागरिक को छः मौलिक अधिकार प्रदान किए गए हैं, जो निम्न हैं-

1. समानता का अधिकार- भारतीय संविधान में कानून के सामने सभी नागरिक समान हैं। धर्म, जाति, लिंग, भाषा, जन्म आदि की दृष्टि से किसी भी तरह की असमानता को नहीं माना गया है।

2. स्वतन्त्रता का अधिकार- भारतीय नागरिकों को भाषण देने , शान्तिपूर्ण सम्मेलन करने , इच्छानुसार व्यापारव्यवसाय करने, किसी भी धर्म का पालन करने आदि की स्वतन्त्रता है।

3. शोषण के विरुद्ध अधिकार- अगर किसी भी व्यक्ति का शारीरिक , भावनात्मक, मानसिक, आर्थिक या किसी भी तरह का शोषण किया जाता है , तो उसके विरुद्ध यह व्यक्ति कानून की सहायता लेकर शोषण से मुक्त हो जाता है।

4. धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार- व्यक्ति अपनी इच्छानुसार किसी भी धर्म को अपना सकता है, उसका पालन कर सकता है।

अथवा

भारत में नागरिकों के मूल कर्तव्यों को लिखिए। (कोई 8)

उत्तर- नागरिकों के मूल कर्त्तव्य निम्नलिखित हैं-

1. संविधान का वह पालन करें और उसके आदर्शों , संस्थानों, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करें।

2. स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रख उनका पालन करें।

3. भारत की सम्प्रभुता, एकता और अखण्डता, की रक्षा करें एवं उसे अक्षुण्ण रखें।

4. देश की रक्षा करें और आव्हान किए जाने पर उसकी सेवा करें।

5. भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो। ऐसी प्रथाओं का त्याग करें , जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हो।

6. हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और परीक्षण करें।

7. प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, उनकी रक्षा करें तथा उनका संवर्द्धन कर प्राणीमात्र के प्रति दया रखें।

8. वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद, ज्ञानार्जन और सुधार की भावना का विकास करें।

प्रश्न 21. वैश्वीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने वाले चार कारकों की विवेचना कीजिए।

उत्तर- वैश्वीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है , जिसके अंतर्गत सभी व्यापारिक क्रियाओं का अंतर्राष्ट्रीयकरण हो जाता है। और वे एक इकाई के रूप में कार्य करने लगती हैं। वैश्वीकरण को प्रोत्साहित करने वाले तत्व निम्नलिखित हैं-

(1) तकनीकी ज्ञान का विस्तार- पिछले 50 वर्षों में तकनीकी ज्ञान का तेजी से विकास हुआ है। परिवहन प्रौद्योगिकी ने अब लम्बी दूरी तक वस्तुओं को कम लागत पर भेजना संभव बनाया है। दूरसंचार सुविधाओं, जैसे- इंटरनेट, मोबाइल फोन, फैक्स आदि ने विश्वभर में एक-दूसरे से सम्पर्क करने के कार्य को सरल बना दिया है। संचार उपग्रहों ने इस सुविधाओं का विस्तार कर क्रांतिकारी परिवर्तन कर दिया है। फलतः वैश्वीकरण का तेजी से विस्तार हुआ है।

(2) उदारीकरण की प्रक्रिया - बीसवीं शताब्दी के मध्य तक उत्पादन मुख्यतः देशों की सीमाओं के अन्दर ही सीमित था। अनेक देशों ने अपने द्वारा उत्पादित वस्तुओं को विदेशी प्रतियोगिता से बचाने के लिये अनेक प्रकार के कठोर प्रतिबन्ध लगा दिये थे। भारत ने भी

1950 एवं 1960 के दशकों में केवल अनिवार्य वस्तुओं जैसे मशीनरी , उर्वरक और पेट्रोलियम के आयात की ही अनुमति दी थी। इस नीति से देश में अनेक उद्योगों का विकास हुआ और भारत अनेक क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बन गया। किन्तु 1970 एवं 1990 के दशकों में अनेक ऐसे परिवर्तन हुए, जिनसे विदेशी व्यापार को उदार बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। सन् 1995 में विश्व व्यापार संगठन की स्थापना के बाद प्रायः विश्व के सभी देशों ने अपने आयात करों में कमी की है और अपने देश के बाजार को अन्य देशों के लिये खोल दिया है।

(3) प्रतियोगिता एवं बाजार का विस्तार - पूंजीवादी आर्थिक प्रणाली में प्रतियोगिता का विशेष महत्व है। इस प्रणाली में विभिन्न उत्पादक कम्पनियाँ बाजारों पर कब्जा करने के उद्देश्य से प्रतियोगिता का सहारा लेती हैं। इसके लिये ये कम्पनियाँ कीमत कम करने के साथ-साथ विज्ञापनों एवं प्रचार-प्रसार के विभिन्न माध्यमों का उपयोग करती हैं।

(4) बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का विस्तार- दूरस्थ देशों को आपस में जोड़ने में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का विशेष महत्व है। ये कम्पनियाँ उन देशों में उत्पादन के लिए कारखाने स्थापित करती हैं, जहाँ उन्हें सस्ता श्रम एवं अन्य साधन मिलते हैं। इससे उत्पादन लागत में कमी आती है। तथा कम्पनियों की प्रतियोगिता करने की क्षमता बढ़ जाती है।

बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ केवल वैश्विक स्तर पर ही अपने उत्पादन नहीं बेचतीं , वरन् अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वे वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन विश्व स्तर पर करती हैं।

अथवा

मिश्रित अर्थव्यवस्था के किन्हीं चार दोषों की विवेचना कीजिए।

उत्तर- मिश्रित अर्थव्यवस्था के दोष- मिश्रित अर्थव्यवस्था में पाये जाने वाले प्रमुख दोष निम्नलिखित हैं-

1. दुर्बल एवं अकुशल प्रणाली-मिश्रित अर्थव्यवस्था में पाये जाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र पूर्णतः विपरीत पद्धति से कार्य करने वाले क्षेत्र हैं , जिसके कारण इनमें उचित सामंजस्य स्थापित नहीं हो पाता। परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था का कुशल संचालन नहीं हो पाता और दोनों क्षेत्र परस्पर पूरक न बनकर प्रतिस्पर्धा बन जाते हैं। अतः इसे एक दुर्बल और अकुशल प्रणाली माना जाता है। http://www.mpboardonline.com

2. राष्ट्रीयकरण का भय-मिश्रित प्रणाली में निजी क्षेत्र को सदैव राष्ट्रीयकरण का भय बना रहता है। इस भय के कारण उद्यमियों में विनियोग के प्रति विशेष रुचि एवं प्रेरणा उत्पन्न नहीं हो पाती। राष्ट्रीयकरण के भय के कारण विदेशी उद्यमी भी इन देशों में अपनी पूँजी का निवेश नहीं करते।

3. अकुशलता-मिश्रित अर्थव्यवस्था में पूँजीवादी एवं समाजवाद दोनों के दोष विद्यमान रहते हैं। इस प्रणाली में न तो नियोजन तंत्र ठीक ढंग से कार्य कर पाता है और न ही बाजार यंत्र क्रियाशील हो पाता है।

4. निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन नहीं-इस प्रणाली में सरकार सार्वजनिक क्षेत्र को अधिक महत्व देती है। फलतः निजी क्षेत्र की उपेक्षा होती है। सरकारी नीतियाँ एवं कार्यालय भी निजी क्षेत्र के हित में नहीं होते।

प्रश्न 22. भारत के सीमाकार मानचित्र में निम्न को दर्शाइए-

(1) भाखड़ा-नंगल बाँध, (2) कच्छ का रन, (3) कर्क रेखा,

(4) हजीरा-जगदीशपुर गैस पाइपलाइन, (5) आनन्द-अहमदाबाद दुग्ध पाइपलाइन।

उत्तर-

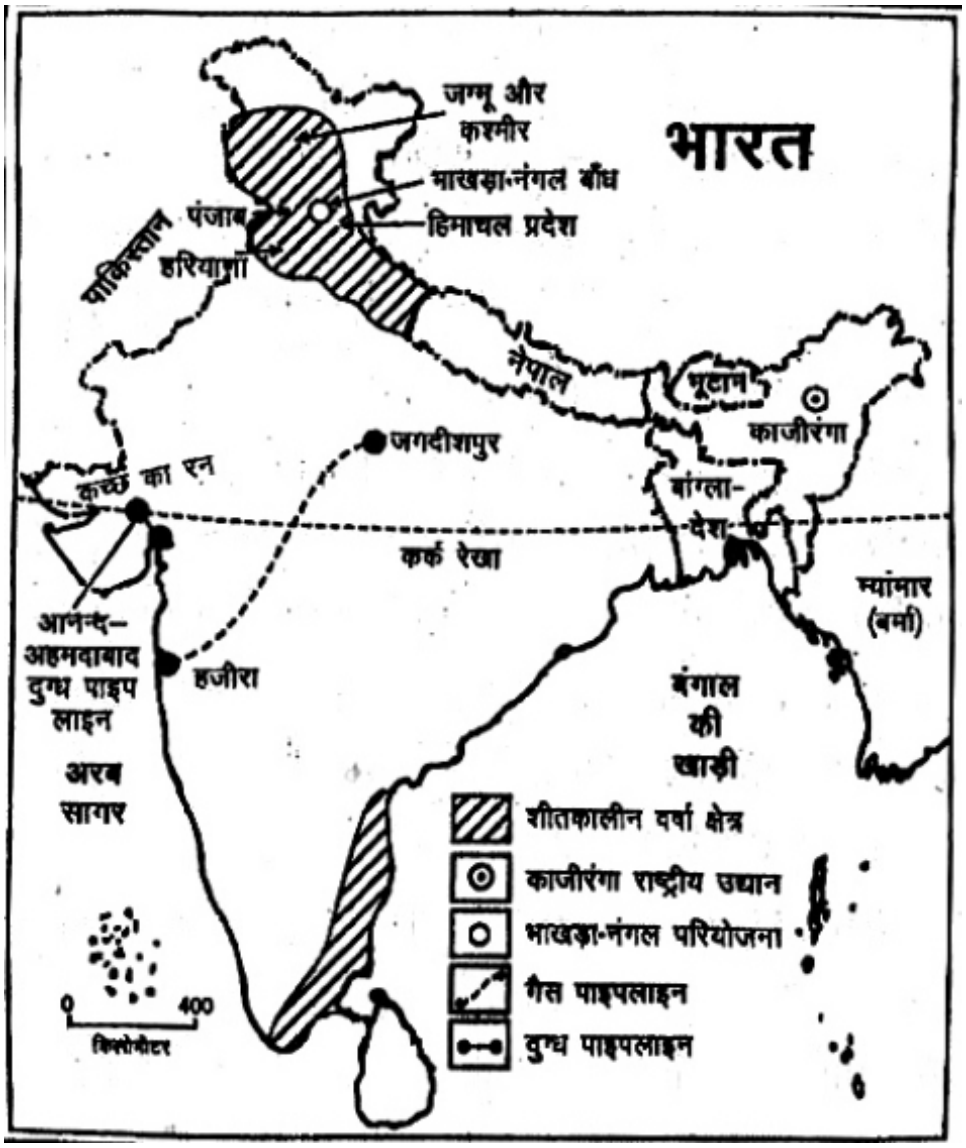

अथवा

निम्नलिखित मौसम सम्बन्धी संकेतों को अपनी उत्तर पुस्तिका में दर्शाइए-

(1) शान्त, (2) ललित वायु, (3) धीर समीर,(4) अल्पबल समीर, (5) सबल समीर।

उत्तर-

व्युफोर्ट संख्या	वायु का नाम	संकेत
0.	91177 (Clam)	
1.	ललित वाय	
2.	मन्द समीर	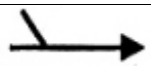
3.	धीर समीर	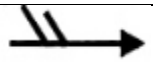
4.	अल्पबल समीर	
5.	सबल समीर	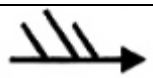

प्रश्न 23. झण्डा सत्याग्रह किस प्रकार हुआ? वर्णन कीजिए।

उत्तर- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में चरखा युक्त तिरंगे झंडे की आन-बान-शान को लेकर एक ऐसी घटना घटी जिसमें न केवल राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्पूर्ण राष्ट्रीय की श्रद्धा और निष्ठा की मुखर अभिव्यक्ति हुई , बल्कि अंग्रेजी हुकूमत तक को उसे मान्य करने पर विवश होना पड़ा। इतिहास के इस स्वर्णिम अध्याय को 'झण्डा सत्याग्रह के नाम से जाना जाता है। असहयोग आंदोलन की मानसिक तैयारी की पड़ताल के लिए गठित कांग्रेस की समिति जबलपुर आई , हकीम अजमल खाँ उसके नेता थे। जबलपुर कांग्रेस कमेटी ने तय किया कि खाँ साहेब को अभिनन्दन पत्र भेंट किया जाएगा और जबलपुर नगरपालिका भवन पर राष्ट्रीय तिरंगा ध्वज फहराया जायेगा। यह सम्मान गोरे डिप्टी कमिश्नर को ब्रिटिश हुकूमत का अपमान और चुनौती देता हुआ प्रतीत हुआ और वह भड़क उठा। उसने पुलिस को हुक्म दिया कि तिरंगे झण्डे को न केवल उतार दिया जाये बल्कि पैरों से कुचला जाये , जिसके परिणाम स्वाभाविक रूप से तीव्र जनाक्रोश के रूप में फूटा और आंदोलन हो गया , जिसके कुछ ही महीनों में इसने अखिल भारतीय स्वरूप ग्रहण कर लिया , अंग्रेज हुकुमत की अपमानजनक कार्यवाही के विरोध में पं. सुन्दरलाल , सुभद्रा कुमारी चौहान , नाथूराम मोदी , नरसिंह दास अग्रवाल , लक्ष्मणसिंह चौहान तथा कुछ अन्य स्वयंसेवकों में झण्डे के साथ जुलूस निकाला। पुलिस ने जूलुस को आगे बढ़ने से रोक दिया और सभी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। http://www.mpboardonline.com

अथवा

मध्यप्रदेश का राष्ट्रीय आन्दोलन में क्या योगदान रहा है? वर्णन कीजिए।

उत्तर- मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय आन्दोलन की सभी धाराएँ संघर्षशील रहीं। यहाँ के वनवासियों ने आजादी के महायज्ञ में अपनी आहुति दी, यहाँ की रियासतों की जनता ने और कई खुद्दार राजपरिवारों ने पराधीनता की बेड़ियों को काटने के लिए सर्वस्व दाँव पर लगाया। यहाँ के

रजवाड़ों की प्रजा को दोहरी गुलामी को उतार फेंकने के लिए जूझना पड़ा , यहाँ के किसानों ने लड़ाई लड़ी, असहयोग आन्दोलन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन, नमक सत्याग्रह, जंगल सत्याग्रह और सन् 1942 की जनक्रांति में मध्यप्रदेश की सक्रिय भागीदारी रही। चन्द्रशेखर आजाद की क्रांतिकारी गतिविधियों का केन्द्र अगर ओरछा था तो मंगल लाल बागड़ी की हिन्दुस्तानी , लाल सेना ने इसी धरती पर सशस्त्र संग्राम छेड़ा था।

लोकमान्य तिलक, राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, राष्ट्रनायक जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. अंसारी, मौलाना आजाद आदि महापुरुषों ने मध्यप्रदेश के स्वातंत्र्य समर को प्रेरित किया। पं. रविशंकर शुक्ल , पं. सुन्दरलाल शर्मा , द्वारिका मिश्र, ठाकुर निरंजन सिंह, सेठ गोविन्द दास, हरिविष्णु कामथ, ठाकुर प्यारेलाल, पं. लक्ष्मीनारायण दास, सुभद्रा कुमारी चौहान, वामनराव लाखे, शंकर लाल दुबे, कृष्णकांत व्यास, दुर्गाशंकर मेहता और अन्य अनेक अग्रणी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने मध्य प्रदेश में यत्र-तत्र सर्वत्र आजादी की अलख जगाई, आन्दोलन का संचालन और नेतृत्व किया।

प्रश्न 24. सन् 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के परिणाम लिखिए।

उत्तर-1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के निम्नलिखित परिणाम हुए-

(अ) पाकिस्तान कश्मीर समस्या का समाधान शस्त्र द्वारा करना चाहता था। उसने युद्ध का मार्ग अपनाया : परन्तु उसकी इच्छा पूरी नहीं हुई।

(ब) पाकिस्तान का विश्वास था कि कश्मीर की मुस्लिम जनता उसका साथ देगी परन्तु ऐसा नहीं हुआ। भारत ने यह सिद्ध किया कि भारतीय धर्मनिरपेक्षता का आधार अत्यन्त ठोस है।
(स) युद्ध के दौरान भारतीय नागरिकों तथा सैनिकों का मनोबल ऊँचा रहा। भारतीय सेना के अधिकांश हथियार स्वदेशी थे।

(द) पाकिस्तान को विश्वास था कि संकट के अवसर पर चीन उसका साथ देगा परन्तु उसका यह भ्रम टूट गया। http://www.mpboardonline.com

(ङ) भारत-पाकिस्तान के युद्ध में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका महत्वपूर्ण थी। संयुक्त राष्ट्र संघ को सफलता इसलिए मिली क्योंकि सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपूर्व सहयोग दिया था।

(ई) पाकिस्तान के लिए यह युद्ध घातक सिद्ध हुआ। युद्ध में पराजय ने उसकी सैनिक तानाशाही के खोखलेपन को सिद्ध कर दिया।

अथवा

भारत में परमाणु नीति के सिद्धान्तों को समझाइए।

उत्तर- भारत का आण्विक शक्ति के रूप में उदय होना- परमाणु ऊर्जा रेडियोधर्मी तत्त्वों के विखण्डन से प्राप्त की जाती है। इस ऊर्जा से विद्युत तैयार की जाती है। यूरेनियम , थोरियम,

प्लूटोनियम आदि प्रमुख रेडियोधर्मी तत्त्व हैं , इन तत्त्वों में भारी मात्रा में ऊर्जा छिपी है। एक अनुमान के अनुसार एक किलो यूरेनियम से जितनी ऊर्जा प्राप्त होती है , उतनी 27,000 टन कोयले से प्राप्त की जाती है। यूरेनियम अत्यन्त मूल्यवान तत्त्व है। परमाणु ऊर्जा का उपयोग जहाँ शान्तिपूर्ण और विकास कार्यों के लिए किया जाता है , इसका उपयोग विध्वंशक शस्त्रों के निर्माण में भी किया जाता है। भारत के परमाणु ऊर्जा एवं आन्तरिक शोध कार्यक्रमों का कुशल निर्देशन डॉ. होमी भाभा , डॉ. विक्रम साराभाई और राजा रामन्ना जैसे वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है। भारत की परमाणु नीति पर उसके सामाजिक और आर्थिक आधारों का प्रभाव पड़ा है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् से। ही भारत परमाणु ऊर्जा के शान्तिपूर्ण उपयोग की दिशा में प्रयासरत रहा है। परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1948 एवं परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना इस दिशा में प्रारम्भिक कदम रहे।

प्रश्न 25. सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियाँ निम्नानुसार हैं 1. प्रारम्भिक क्षेत्राधिकार- ऐसे विवाद जो देश के अन्य न्यायालयों में नहीं जाते केवल सर्वोच्च न्यायालय में ही प्रस्तुत होते हैं।

(क) राज्यों के मध्य विवाद-

(i) संघीय सरकार एवं एक या एक से अधिक राज्यों के बीच विवाद।

(ii) ऐसा विवाद जिसमें एक ओर संघीय शासन व एक या अधिक राज्य हों तथा दूसरी ओर एक या अधिक राज्य हो।

(iii) दो या दो से अधिक राज्यों के बीच विवाद

(ख) मौलिक अधिकारों से संबंधित विवाद- नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए सर्वोच्च न्यायालय को समुचित कार्यवाही करने की शक्ति प्राप्त है।

2. अपीलीय क्षेत्राधिकार- सर्वोच्च न्यायालय देश का सबसे बड़ा अंतिम अपीलीय न्यायालय है। उस क्षेत्राधिकार के तहत् सर्वोच्च न्यायालय को निम्न अपील सुनने का अधिकार है।

(क) संवैधानिक अपीलें (ख) दीवानी अपीलें (ग) फौजदारी अपीलें (घ) विशेष अपीलें ।

3. परामर्शदात्री क्षेत्राधिकार- संविधान की धारा 143 के अनुसार यदि राष्ट्रपति किसी संवैधानिक या कानूनी प्रश्न पर सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श लेना चाहे तो राष्ट्रपति को परामर्श दे सकता है। http://www.mpboardonline.com

4. न्यायिक पुनरावलोकन सम्बन्धी क्षेत्राधिकारसर्वोच्च न्यायालयों को संसद एवं विधानसभाओं द्वारा निर्मित विधियों एवं प्रशासकीय निर्देशों की वैधता को जांचने का अधिकार है। इस अधिकार के द्वारा सर्वोच्च न्यायालय विधियों या नियमों की वैधता की जांच करता है। कि ये नियम या विधियाँ संविधान के अनुसार है या नहीं। अपनी इस शक्ति के द्वारा सर्वोच्च न्यायालय विधान की रक्षा करता है।

5. अभिलेख न्यायालय- सर्वोच्च न्यायालय अभिलेख न्यायालय भी है। अर्थात् उसके समस्त निर्णय एवं अभिलेख लिखित रहते हैं तथा प्रकाशित किए जाते हैं तथा इन्हें अभिलेख के रूप में रखा जाता है। अधीनस्थ न्यायालयों के सम्मुख इन निर्णयों को नजीर (उदाहरण) के रूप में प्रस्तुत किया जाता है तथा अधीनस्थ न्यायालय इन नजीरों को मानते हैं।

6. अन्य कार्य- सर्वोच्च न्यायालय उपरोक्त अधिकारों के अलावा निम्न कार्य भी करता है-

(अ) अपने अधीनस्थ न्यायालयों का निरीक्षण एवं जांच।

(ब) अपने तथा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों व अधिकारियों की सेवा शर्तों का निर्धारण उन्हें पदोन्नति तथा पदच्युत करना।

(स) न्यायालय की अवमानना करने वाले किसी भी व्यक्ति को दण्डित करने की शक्ति।

अथवा

मंत्री परिषद् के कार्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- मंत्री परिषद के कार्य निम्नलिखित हैं -

(i) नीति निर्धारित करना- देश की आर्थिक , सामाजिक, राजनीतिक, वैदेशिक आदि समस्याओं को हल करने के लिए मंत्रिपरिषद् समस्त पहलुओं पर विचार करके नीति निर्धारित करता है।

(ii) नियुक्ति सम्बन्धी कार्य- देश के भीतर एवं बाह्य महत्वपूर्ण पदों पर की जाने वाली महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ जैसे राजदूत , राज्यपाल विभिन्न आयोगों के सदस्य एवं अध्यक्ष , महान्यायवादी आदि की नियुक्ति मंत्रिमण्डल द्वारा की जाती है।

(iii) वित्त सम्बन्धी कार्य- देश के आय-व्यय पर मंत्रिमण्डल का नियंत्रण रहता है। वित्तमंत्री बजट तैयार करता है , मंत्रिमण्डल में प्रस्तुत करता है। मंत्रिमण्डल की स्वीकृति के बाद उसे सदन में प्रस्तुत करता है। यदि बजट को लोकसभा स्वीकृति नहीं देती तो सम्पूर्ण मंत्रिमण्डल को त्यागपत्र देना होता है।

(iv) राष्ट्रपति को परामर्श- मंत्रिपरिषद् समय-समय पर राष्ट्रपति को परामर्श देता है। राष्ट्रपति मंत्रिमण्डल की सलाह को मानने के लिए बाध्य है।

प्रश्न 26. भारत में बेरोजगारी दूर करने के उपायों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- भारत में बेरोजगारी दूर करने के उपाय निम्नलिखित-

(1) जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण- जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण करना चाहिये। इससे श्रमिकों की पूर्ति दर में कमी आएगी। रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ यह भी अति आवश्यक है।

(2) लघु और कुटीर उद्योगों का विकास- ये उद्योग ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थापित हैं तथा अंशकालीन रोजगार प्रदान करते हैं। इसमें पूंजी कम लगती है और ये परिवार के सदस्यों द्वारा ही संचालित होते हैं। इसके द्वारा बेकार बैठे किसान और उनके घर के सदस्य अपनी क्षमता , श्रम, कला-कौशल और छोटी-छोटी जमा राशि का उपयोग कर अधिक

आय और रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। अतः सरकार को इनके विकास के लिये पूंजी उपलब्ध करानी चाहिए।

(3) व्यावसायिक शिक्षा- देश की शिक्षा पद्धति में परिवर्तन की आवश्यकता है। हमें शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना है। हाईस्कूल पास करने के बाद छात्रों की रुचि के अनुसार व्यावसायिक शिक्षा चुनने के लिए जोर देना चाहिए। इससे शिक्षा प्राप्त करने के बाद के व्यवसाय से जुड़ सकेंगे और देश में बेरोजगारी की समस्या हल हो सकेगी।

(4) विनियोग में वृद्धि- सार्वजनिक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पूंजी का विनियोग कर बेरोजगारी दूर की जा सकती है। निजी क्षेत्र में बड़े उद्योगों को प्रोत्साहन देना चाहिए , जो कि श्रम प्रधान हों। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा। बड़े-बड़े उद्योगों में पूंजी गहन तकनीक पर नियंत्रण रखना चाहिये, क्योंकि इनमें बड़ी-बड़ी मशीनों का उपयोग किया जाता है और मानव श्रम कम लगता है। इससे बेरोजगारी बढ़ती है।

(5) सहायक उद्योगों का विकास- ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के सहायक उद्योग जैसे-दुग्ध व्यवसाय, मछली पालन, मुर्गीपालन, बागवानी, फूलों की खेती आदि का विकास करना चाहिये।

अथवा

मादक पदार्थों का शरीर पर क्या प्रभाव होता है? लिखिए।

उत्तर- मादक पदार्थों का शरीर पर निम्नलिखित प्रभाव होता

(i) शारीरिक कमजोरी- मादक पदार्थों के सेवन से शरीर में कमजोरी उत्पन्न होने लगती है तथा व्यक्ति की शारीरिक क्षमता घटती जाती है।

(ii) मानसिक कमजोरी- मादक पदार्थों के सेवन से मानसिक कमजोरी होने लगती है , जो मनुष्य की सोचने- समझने की शक्ति को क्षीण कर देती है।

(iii) रोगों में वृद्धि- मादक पदार्थों का सेवन करने वाले व्यक्ति को विभिन्न रोग हो जाते हैं , क्योंकि उसकी शारीरिक क्षमता घट जाती है।

(iv) बच्चों के विकास पर प्रभाव- मादक पदार्थों का सेवन करने वाले व्यक्ति के परिवार में पारिवारिक कलह बढ़ जाती है , जिससे बच्चे के मानसिक व शारीरिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।